स्मार्ट सिटी के चौक-चौराहे बदहाल

खास बातें

- करोड़ो खर्च के बाद भी नहीं बदली तस्वीर
- कछुआ गति से चल रहे कार्य पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 7 अगस्त. शहर में पिछले करीब 10 वर्षों से मिनी स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकास कार्य जारी हैं, लेकिन करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और सड़कों की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिखाई दे रहा है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य कछुआ गति से चल रहा है और गुणवत्ता का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है.

शिकायतों के अनुसार मुख्य सड़कों के दोनों ओर चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है, लेकिन इसे तकनीकी मानकों के अनुरूप एकमुश्त करने के बजाय टुकड़ों-टुकड़ों में कराया जा रहा है. इससे यातायात प्रभावित होने के साथ ही लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण नई बनी सड़कें भी जल्द खराब होने लगी हैं. वहीं, निर्माण कार्य में नियमों और शर्तों की अनदेखी किए जाने की भी शिकायतें सामने आ रही हैं.नागरिकों का यह भी कहना है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठने के बावजूद संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध अब तक किसी प्रकार की प्रभावी जांच या कार्रवाई नहीं की गई है. लोगों ने प्रशासन से पूरे निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराकर गुणवत्ता सुनिश्चित करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है.



चौक-चौराहों की बदहाली से बढ़ी लोगों की परेशानी

स्थानीय लोगों के अनुसार बाबा साहब अंबेडकर चौक, सुभाष चौक, नेहरू चौक और जय स्तंभ चौक जैसे प्रमुख स्थानों की स्थिति बेहद खराब है. उनका कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद शहर कहीं से भी स्मार्ट सिटी जैसा दिखाई नहीं देता. नागरिकों ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने की मांग की है.

मिनी स्मार्ट सिटी के काम पर सवाल

शहर में चल रहे मिनी स्मार्ट सिटी परियोजना के निर्माण कार्यों को लेकर लोगों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है. स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निर्माण कार्य मजदूरों के भरोसे संचालित हो रहा है, जबकि जिम्मेदार इंजीनियर मौके पर निरीक्षण के लिए नहीं पहुंचते. जनप्रतिनिधियों की ओर से भी पर्याप्त निगरानी नहीं होने के कारण निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं.लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी के अधिकारी भी नियमित रूप से स्थल का निरीक्षण नहीं करते और कार्य उप-ठेके (पटिया ठेका) के माध्यम से कराया जा रहा है. कई स्थानों पर खुदाई के बाद महीनों तक काम शुरू नहीं होता, जिससे सड़कें बाधित रहती हैं और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है.व्यापारियों के अनुसार दुकानों के सामने नालियों और गटर का निर्माण अधूरा पड़ा है. जगह-जगह जलभराव होने से ग्राहकों को आवाजाही में परेशानी होती है. फिसलन के कारण कई लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं, वहीं खुले गड्ढे और अधूरे गटर भी हादसों का कारण बन रहे हैं.नागरिकों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद केवल नोटिस जारी करने और कागजी कार्रवाई तक ही मामला सीमित रहता है. लोगों के बीच यह सवाल बना हुआ है कि आखिर शहर को स्मार्ट सिटी का स्वरूप मिलने में अभी और कितना समय लगेगा.

एक माह से आरोग्य केंद्र पर लटका ताला

वडोह के ग्रामीणों को उपचार के लिए तीन किलोमीटर दूर पठारी जाना पड़ रहा

नवभारत न्यूज

पठारी 7 अगस्त. ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर आरोग्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण कराया गया है, लेकिन कई स्थानों पर कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण इन केंद्रों का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है. ग्राम पंचायत वडोह का आरोग्य केंद्र पिछले करीब एक माह से बंद पड़ा है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है.

ग्रामीणों ने बताया कि आरोग्य केंद्र पर लगातार ताला लगा रहने से टीकाकरण सहित सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हैं. इन दिनों मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ा हुआ है, ऐसे में सर्दी, जुकाम, बुखार और अन्य सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए लोगों को तीन किलोमीटर दूर पठारी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि टीकाकरण कराने के लिए भी उन्हें पठारी जाना पड़ता है. वहीं रात के समय उल्टी, दस्त, रक्तचाप बढ़ने या अन्य आपात स्थिति होने पर भी मरीजों को तत्काल इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर जाना पड़ता है, जिससे समय और परेशानी दोनों बढ़ जाते हैं. ग्रामीणों के अनुसार पहले आरोग्य केंद्र पर एक स्वास्थ्य कर्मचारी 24 घंटे उपलब्ध रहता था, जिससे जरूरत पड़ने पर तत्काल दवा और प्राथमिक उपचार मिल जाता था. लेकिन अब केंद्र महीनों से बंद है और ताला तक नहीं खुल रहा. ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग से केंद्र को नियमित रूप से संचालित करने, कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा जल्द स्वास्थ्य सेवाएं बहाल करने की मांग की है.



एक माह से बंद पड़ा वडोह उप स्वास्थ्य केंद्र

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च कर उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण कराया है, लेकिन ग्राम पंचायत वडोह का उप स्वास्थ्य केंद्र पिछले करीब एक माह से बंद पड़ा है. केंद्र पर लगातार ताला लगे रहने से ग्रामीणों को सामान्य उपचार, टीकाकरण और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तीन किलोमीटर दूर पठारी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ रहा है.

वार्ड 2 के आंगनबाड़ी केंद्र में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, नगर पालिका परिषद गंजबासौदा द्वारा संचालित सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 02 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया . कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्वच्छता, पोषण तथा बरसात के मौसम में फैलने वाली बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना था . कार्यक्रम में पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी आर.के. नेमा ने स्वच्छता के अभाव में फैलने वाली बीमारियों जैसे डायरिया, डेंगू, मलेरिया, टायफाइड एवं अन्य संक्रामक रोगों के कारण, बचाव एवं रोकथाम के उपायों की विस्तार से जानकारी दी . उन्होंने बताया कि नियमित हाथ धोना, स्वच्छ पेयजल का उपयोग, साफ-सफाई बनाए रखना तथा कचरे का उचित निस्तारण स्वस्थ जीवन की आधारशिला है .

भोलेनाथ ने परखी नंदा की श्रद्धा, निष्काम भक्ति से मिला मोक्ष का वरदान

वैश्यनाथ अवतार की कथा में भगवान शिव ने दी निष्कपट भक्ति

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. निष्काम भक्ति, सत्यनिष्ठा और समर्पण ही भगवान शिव तक पहुंचने का सबसे सरल मार्ग है. यही संदेश श्रावण मास के अवसर पर श्री राम-जानकी मंदिर, खेड़ापति गौधाम में आयोजित 27 दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं भगवान शिव के 84 अवतार चरित्र वर्णन महोत्सव के आठवें दिन वैश्यनाथ अवतार की कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को दिया गया. भगवान शिव द्वारा नंदा की भक्ति की परीक्षा और अंततः उसे मोक्ष प्रदान करने का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे.

शिव कथा वाचक पं. धर्मेन्द्र भार्गव ने बताया कि नंदा नामक वेश्या भगवान शिव की अनन्य भक्त थी. उसकी निष्काम भक्ति, सत्यनिष्ठा और वचनपालन की परीक्षा लेने के लिए भगवान शिव वैश्यनाथ के रूप में उसके पास पहुंचे. उन्होंने अपना दिव्य रत्नलिंग नंदा को धरोहर के रूप में सौंपते हुए उसकी सुरक्षा का दायित्व दिया. कुछ समय बाद दैवयोग से रत्नलिंग अग्नि में भस्म हो गया. इसे अपनी अमूल्य धरोहर का नाश मानकर वैश्यनाथ ने चिता बनाकर उसमें प्रवेश कर लिया. नंदा ने पूर्व में दिए गए पत्नी धर्म निभाने के वचन को स्मरण करते हुए स्वयं भी अग्नि में प्रवेश करने का संकल्प लिया. जैसे ही वह चिता की ओर बढ़ी, भगवान शिव अपने दिव्य स्वरूप में प्रकट हो गए. उन्होंने नंदा की निष्कपट भक्ति, अडिग सत्यनिष्ठा और वचनपालन से प्रसन्न होकर उसे साक्षात दर्शन दिए तथा मोक्ष का वरदान प्रदान किया. पं. भार्गव ने कहा कि भगवान शिव के लिए न कोई ऊंच-नीच है, न जाति-पांति और न ही किसी का सामाजिक व्यवसाय. भोलेनाथ केवल निर्मल हृदय, अटूट श्रद्धा और निष्काम भक्ति को स्वीकार करते हैं. उन्होंने कहा कि यह प्रसंग सिद्ध करता है कि भगवान शिव के लिए व्यक्ति का कुल, जाति, व्यवसाय अथवा सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि उसकी निष्कपट भक्ति, सत्य के प्रति अटल निष्ठा और वचनपालन ही सर्वोपरि है. जो भक्त पूर्ण श्रद्धा और समर्पण के साथ भगवान शिव का स्मरण करता है, उस पर भोलेनाथ की कृपा अवश्य बरसती है.कथा के दौरान पूरा पंडाल हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा और श्रद्धालु शिवमय वातावरण में डूब गए.

कचरा जलाने से बढ़ रही परेशानी, स्वच्छता पर असर

नवभारत न्यूज

सिरोंज, शहर के इन दिनों कई स्थानों पर कचरा एकत्रित होने के बाद उसे आग लगाने की मामले सामने आते है. सड़कों, चौराहों और रिहायशी इलाकों में कचरे में आग लगाए जाने से उठता धुआं लोगों के लिए असुविधा का कारण बन जाता है. इस कचरे में पॉलीथिन, प्लास्टिक और अन्य पदार्थ शामिल होते हैं, जिनके जलने से धुआं वातावरण में फैलता है. इसका असर आसपास रहने वाले लोगों, दुकानदारों और राहगीरों पर पड़ रहा है. इस संबंध में नगरपालिका सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि कचरे में आग लगाना नियम विरुद्ध है.

बस किराया वृद्धि पर सियासत तेज, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

नवभारत न्यूज

सिरोंज, बस किराए में हुई बढ़ोतरी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने इस फैसले को जनविरोधी बताते हुए सरकार पर निशाना साधा है.

विनोद सेन ने जारी बयान में कहा कि बस किराया 1.25 रुपये प्रति किलोमीटर से बढ़ाकर 2 रुपये प्रति किलोमीटर किया जाना आम जनता के लिए बड़ा आर्थिक बोझ है. उन्होंने कहा कि पहले से महंगाई से जूझ रहे गरीब और मध्यम वर्ग के लिए यह फैसला और मुश्किलें बढ़ाने वाला है. उन्होंने आरोप लगाया कि रक्षाबंधन जैसे त्योहार से पहले जब लोगों को राहत मिलनी चाहिए, तब किराया बढ़ाकर सरकार ने आमजन की परेशानियां बढ़ा दी हैं. नई दरें लागू होने के बाद बस स्टैंडों पर यात्रियों और बस कर्मचारियों के बीच असमंजस और बहस की स्थिति भी देखी जा रही है. बढ़े हुए किराए से खासकर दैनिक यात्रियों और लंबी दूरी तय करने वाले लोगों पर असर पड़ा है. उन्होंने कहा कि त्योहार से पहले किराया बढ़ाना जनता के साथ अन्याय है. सरकार को यह फैसला वापस लेना चाहिए.

बाढ़, आग और सर्पदंश से बचाव सीख रहे छात्र

नवभारत न्यूज

सिरोंज, सिरोंज के सांदीपनि विद्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को आपदा के समय सतर्क रहने, सही निर्णय लेने और दूसरों की मदद करने के महत्वपूर्ण गुर सिखाए गए.

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं होमगार्ड विभाग के सहयोग से गुरुवार को आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जहरीले एवं विषहीन सांपों की पहचान, सर्पदंश होने पर प्राथमिक उपचार तथा समय पर अस्पताल पहुंचने के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई. इस अवसर पर बच्चों को जागरूकता पुस्तिकाएं भी वितरित की गईं और अंधविश्वास छोड़कर वैज्ञानिक उपचार अपनाने का संदेश दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में अंधविश्वास के बजाय तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेना ही सबसे सुरक्षित उपाय है. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को आग लगने और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के व्यावहारिक तरीके भी सिखाए गए. बिना लाइफ जैकेट के प्लास्टिक की बोतलों की सहायता से अस्थायी तैराकी उपकरण तैयार करने का प्रदर्शन किया गया, जिससे बच्चों ने नई तकनीक सीखी. इसके अलावा सीपीआर के माध्यम से आपात स्थिति में किसी व्यक्ति की जान बचाने की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई गई. आपदा के समय सतर्कता, त्वरित निर्णय और सही बचाव के महत्व पर विशेष जोर दिया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपदा के समय स्वयं सुरक्षित रहने के साथ-साथ दूसरों की मदद करने के लिए भी जागरूक बनाना रहा.



कांवड़ यात्रा को लेकर मातृशक्ति ने संभाली जनजागरण की कमान

नवभारत न्यूज

सिरोंज, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल समरसता विभाग के तत्वाधान में आगामी 10 अगस्त, श्रावण सोमवार को आयोजित होने वाली भव्य कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं. यात्रा को सफल बनाने के लिए मातृशक्ति की कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर व्यापक जनसंपर्क कर रही हैं तथा महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह कर रही हैं. इस दौरान वह कांवड़ यात्रा के धार्मिक महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं. इस दौरान श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है. यह कांवड़ यात्रा 10 अगस्त सोमवार को शहर के छत्री मंदिर से प्रारंभ होकर जटाशंकर मंदिर पर समापन होगी.

स्वयं शोभा के धाम हैं श्रीजगन्नाथ, उनके श्रीअंगों का स्पर्श पाकर आभूषण भी हो जाते हैं धन्य

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा . स्वयं सौंदर्य के सागर भगवान को आभूषणों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि उनके श्रीअंगों का स्पर्श पाकर आभूषण स्वयं धन्य और शोभायमान हो जाते हैं . संसार के समस्त दुखों का नाश कर जीव को अविनाशी आनंद प्रदान करने वाले भगवान श्रीजगन्नाथ ही दारु-ब्रह्म हैं . यह भावपूर्ण उद्गार नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने रथयात्रा महोत्सव के अंतर्गत स्टेशन रोड स्थित श्री नौलखी मंदिर में आयोजित श्रीजगन्नाथ महात्म्य कथा के प्रथम दिवस व्यक्त किए .

भगवान श्रीजगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के अंतर्गत आयोजित श्रीजगन्नाथ महात्म्य कथा के प्रथम दिवस श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण रहा . कथा व्यास श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने भगवान श्रीजगन्नाथ के दिव्य स्वरूप, महिमा एवं दारु-ब्रह्म स्वरूप का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति के गूढ़ रहस्यों से अवगत कराया .कथा के दौरान महाराज श्री ने कहा कि भगवान का श्रृंगार उनकी सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि श्रृंगार सामग्री और आभूषणों को कृतार्थ करने के लिए किया जाता है . प्रभु की सेवा में समर्पित प्रत्येक वस्तु उनकी कृपा से सार्थक हो जाती है .उन्होंने जगन्नाथ तत्व की व्याख्या करते हुए कहा कि वेदांत में भगवान श्रीजगन्नाथ को दारु-ब्रह्म कहा गया है . दारु-ब्रह्म वह परम तत्व है जो काष्ठ स्वरूप में प्रकट होकर भी समस्त संसार के दुखों का नाश कर जीव को अविनाशी आनंद प्रदान करता है . भगवान श्रीजगन्नाथ का स्वरूप केवल दर्शन का विषय नहीं, बल्कि अनंत प्रेम, करुणा और मोक्ष का द्वार है . श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने कहा कि जब भक्त निष्काम भाव से भगवान की शरण में आता है, तब उसका जीवन धन्य हो जाता है . जगन्नाथ महाप्रभु अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं और उन्हें सांसारिक बंधनों से मुक्त कर परम आनंद की अनुभूति कराते हैं .

मौन सूचना

विकास पचौरी जी मौन साधना कर रहे हैं. इसलिए निःशुल्क शव वाहन हेतु कृपया फोन न करें बल्कि शेरपुरा विदिशा स्थित विकास पचौरी रेडियो स्टेशन आकर जानकारी देने की कृपा करें.

ब्लड की जरूरत होने पर www.vikaspachori.in वेबसाइट पर रक्तदाताओं की लिस्ट देखने का कष्ट करें.

मोबाइल के प्ले स्टोर पर टाइप कीजिए VIKAS PACHORI RADIO

विकास पचौरी रेडियो 84 35 250 250

और फिर 24 घंटे आनंद लीजिए

कांवड़ में जल भरने निकले शिवभक्त, 110 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर रवाना

नवभारत न्यूज

हैदरगढ़. श्रावण मास की पावन बेला में शिवभक्ति का उत्साह चरम पर है. इसी क्रम में हैदरगढ़ से लगभग 30 से 40 शिवभक्त कांवड़ यात्रा पर रवाना हुए. श्रद्धालु भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए माँ नर्मदा के पवित्र बोरास घाट से जल भरने के उद्देश्य से करीब 110 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहे हैं.

कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्त बम-बम भोले औरहर-हर महादेव के जयघोष से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं. बारिश और लंबी यात्रा की थकान की परवाह किए बिना श्रद्धालु पूरे उत्साह और आस्था के साथ अपनी यात्रा पूरी कर रहे हैं. जानकारी के अनुसार सभी कांवड़ यात्री सोमवार को अपने गांव हैदरगढ़ लौटेंगे. गांव पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा. इसके बाद स्थानीय शिवालय में माँ नर्मदा के पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे.



पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक हितग्राहियों को मिला स्वरोजगार ऋण

नवभारत न्यूज

विदिशा, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत दो पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए 50-50 हजार रुपये की ऋण सहायता प्रदान की है. विभाग की सहायक संचालक नेहा आर्य ने बताया कि चिंता बाई को अनाज विक्रय व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए 50 हजार रुपये का ऋण वितरित किया.

जयंती एवं पुण्यतिथि पर महापुरुषों को किया याद, दी भावभीनी श्रद्धांजलि



नुकसान | **फसलों पर बढ़ रहा इल्ली का प्रकोप**

महंगी दवाइयों के छिड़काव से बढ़ रही लागत

नवभारत न्यूज

सिरोंज, क्षेत्र में इस बार मानसून की सुस्त चाल और मौसम के लगातार बदलते मिजाज ने खरीफ फसलों पर असर डालना शुरू कर दिया है. इन दिनों क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का आदि फसलों पर इल्ली का प्रकोप बढ़ रहा है. जिसने किसानों की चिंता बढ़ा दी है.

जानकारी के अनुसार इन दिनों कुछ जगह खरीफ की फसलों पर इल्ली का प्रकोप दिख रहा है. किसानों का कहना है कि यदि समय रहते नियंत्रण नहीं हुआ तो नुकसान और अधिक बढ़ सकता है. फसल बचाने के लिए किसान दवाइयों का छिड़काव कर रहे हैं, लेकिन महंगी दवाइयों के कारण उनकी लागत में भी बढ़ोतरी हो रही है. किसानों का कहना है कि पहले ही महंगे बीज और खाद के चलते आर्थिक दबाव झेल रहे किसानों के लिए यह स्थिति और चुनौतीपूर्ण बनती जा रही है. किसान राजेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि क्षेत्र में बारिश कम होने और गर्मी बढ़ने से फसलों पर इल्ली का प्रकोप बढ़ रहा है. फसलों को बचाने के लिए महंगी दवाइयों का उपयोग करना पड़ रहा है, जिससे लागत बढ़ रही है. उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि आगामी दिनों में मानसून सक्रिय होता है और पर्याप्त बारिश होती है, तो फसलों की स्थिति में सुधार हो सकता है. कृषक खुशहाल सिंह रघुवंशी ने बताया कि बारिश की कमी से सोयाबीन, मक्का आदि फसलों पर ईल्ली का प्रकोप दिख रहा है. किसान फसलों को इल्ली से बचाने के लिए दवाओं का छिड़काव कर रहे हैं. कृषि विभाग के एसएडीओ अनुज धाकड़ के अनुसार सिरोंज क्षेत्र में करीब 91 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ की फसल की बोवनी हुई है, जिसमें 40 से 45 हजार हेक्टेयर में सोयाबीन तथा 30 से 35 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मक्का की बोवनी की गई है. उन्होंने बताया कि क्षेत्र के कुछ जगह मक्का की फसल में इल्ली की जानकारी मिली है, जिसे लेकर किसानों को सतर्क रहने की आवश्यकता है. किसान संतुलित मात्रा में फसल में कीटनाशकों का उपयोग करें और दवाइयां अधिकृत दुकानों से ही खरीदें. उन्होंने कहा कि किसान सोयाबीन की फसल की नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं येलो मोजेक वायरस का प्रकोप तो नहीं फैल रहा है. इस रोग के शुरुआती लक्षण दिखते ही तत्काल नियंत्रण के उपाय अपनाएं. उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें.



शहर वाचनालय पाठक संघ के कार्यक्रम में वक्ताओं ने महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का किया आह्वान

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. शहर वाचनालय पाठक संघ द्वारा विभिन्न महापुरुषों की जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई. कार्यक्रम का संचालन पाठक संघ के संयोजक दीपक तिवारी ने किया.

दीपक तिवारी ने अपने संबोधन में महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, राष्ट्रभाषा के प्रबल समर्थक राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन तथा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला. स्वर्गीय श्री नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील बाबू पिंगले ने कमला नेहरू, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त तथा महान पार्श्व गायक किशोर कुमार के जीवन और योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि इन सभी महापुरुषों का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है. उन्होंने कहा कि युवाओं को उनके सिद्धांतों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए. इस अवसर पर प्रमोद शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए. कार्यक्रम में विशेष रूप से नामदेव समाज के कैलाश नामदेव ने पाठक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना की. कार्यक्रम के अंत में पाठक संघ के प्रभारी सतीश शिल्पकार ने आभार व्यक्त किया. इस दौरान उत्तम सोनी, मोहन सैनी, मोनू मैना सहित बड़ी संख्या में पाठकगण उपस्थित रहे.